

इतिहास

क्रमांक १३

भोसल्यांची बरवर — मोडी

इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ धुळे.

—: हस्त लिखित ग्रंथ संग्रह :—

ग्रंथ क्रमांक ४६/१६३ (८२२)

ग्रंथ नाम भोसल्यांची बरवर

विषय म० गव्य.











3

४ लय दशा च तस्य धर्मिणी च अक्षरा म  
उत्तमं च वेदंति गिरिभारभाद्रपाठपरिच्छद  
णे पादशाठिभारपरपर धर्मिभू च नाम च  
नपरये भेदं जपे च न गिरिभारभाद्रपाठपरि  
मजपे ये पति उभये भेदं च जपे च  
परं च नपरि च पा भेदं गिरिभारभाद्रपाठपरि

38

नघाता उत्र पतति तजस्य भिद्य नाम यप  
४ लयि जपे भुजय पायु भेदं पद्यो ष्व  
ये चते त्यागपर मपरे भेदं च नमप  
मस्य जप मरि त च उ भेदं भेदं गिरिभार  
भेदं नाम गिरिभारभाद्रपाठपरिच्छद

39

पुनरागमिणी भेदं च धर्मिभू भत धर्मत  
पर भेदं मस्य त्यागपाठो भेदं रदि  
के भधया जपे च मरि त च उ त्यागपर  
पातशाठि धर्मिभू भधिया पुत्र भत धेत  
त्यागि पाठि धर्मिभू भधिया पर ही डं

30

मस्य भेदं च धर्मिभू भधिया भेदं रदि  
ह्यपभाष्याने उया ४ धना ४ स्या ४ भम  
णे धर्मिभू भधिया मस्य भधिया च ता उ च  
रा जपे च धर्मिभू भधिया च ना ४ पा च  
चय धेत च उ भधिया धर्मिभू भधिया पुत्र

31

पातशाठि धर्मिभू भधिया च ना ४ पा च  
भधिया भधिया भधिया भधिया भधिया भधिया  
धर्मिभू भधिया भधिया भधिया भधिया भधिया







(5)

तायावद्वरितामघनाप्रमाचे फलस्य  
उत उदीधमघेतापरीणीमरुत  
कचरीमघेत गघपादशा घउ म  
घरे मते धरिउे लु रीगो क वी चपाना  
ची धर उत मघि मघना मउ नाप म

(5A)

य मरी उत मनोपपा उ नाप मने रिया  
णिम या मे उ घरीता मते मयणि उरि  
मने उ म अघा रीपुग घादुते उदी  
घयि उे उ तु मने मघना मपु मउ तो

(5B)

षपाप मने उरित कपापया उ पा घता  
त तो म घना म च उ री म अघना पे का  
णिम मने उ मने उ पा उ पा उ ग प  
चपदु उ मने उ मने उ मने उ मने उ  
उ मने उ मने उ मने उ मने उ मने उ  
ज रिल मने उ मने उ मने उ मने उ

(5C)

मने उ मने उ मने उ मने उ मने उ  
मने उ मने उ मने उ मने उ मने उ  
पाय मने उ मने उ मने उ मने उ  
मने उ मने उ मने उ मने उ मने उ

(5D)

मने उ मने उ मने उ मने उ मने उ  
मने उ मने उ मने उ मने उ मने उ







उमि ह्यो रमि मघना मउनां पदुं धरु  
अगिउ धरे धरु तया च सुमाम भउ धरु  
याने मघा रे अउ धरु तया नी रे मघा म  
सुगरे तु धरे ते ध्या पे धरु ॥ १५४ अय  
धरु रघो र धरु म म म धरु म म धरु म

ॐ

अया उ अय गणे धरु धरु म म धरु त रया  
उ धे म गे र धरु म म धरु धे म गे र धरु म पया  
ने त ध्या पे गा म गे म म म यानि धरु म र म  
म उ धरु र प धरु ध म गे र धरु म म धरु म

ॐ

म म मु धि म धरु म म म धरु धरु धरु म  
धरु म यानि धरु म म म धरु म म धरु म  
ग म यानि धरु म म धरु म यानि म धरु म  
क म धरु म म धरु म म धरु म म धरु म  
धो ध म म धरु म म धरु म म धरु म  
ने स्वा धी र धरु म म धरु म म धरु म

ॐ

धरु म म धरु म म धरु म म धरु म  
म र या न धि मु धरु म म धरु म म धरु म  
ते म धरु म म धरु म म धरु म म धरु म  
म प त म र म धरु म म धरु म म धरु म  
म यानि म प म र म म धरु म म धरु म

ॐ

उ पा उ म र धरु म म धरु म म धरु म  
धरु म म धरु म म धरु म म धरु म



(8)

८

उद्यतेत्यापरररररधरधनरयाउधर

अधिरुचेधर नरभरेभधरपनभेधते

त्याउ शरिचेधरधनितभधभधतलम

त्याउ अरिगिरुतागुणोअनभभभिरु

रधतेधरिपुपुनिरुभमपताधधारपप

धरिगिरुपाठरिगवधधधिरुभधध

(8A)

रधुपठेरिगधधधधधधधधधधधधध

धधधधधधधधधधधधधधधधधधधधध

गतिभुधधधधधधधधधधधधधधधधध

धधधधधधधधधधधधधधधधधधधधध

तधधधधधधधधधधधधधधधधधधधधध

(8B)

धधधधधधधधधधधधधधधधधधधधध

धधधधधधधधधधधधधधधधधधधधध

धधधधधधधधधधधधधधधधधधधधध

धधधधधधधधधधधधधधधधधधधधध

धधधधधधधधधधधधधधधधधधधधध

(8C)

धधधधधधधधधधधधधधधधधधधधध

धधधधधधधधधधधधधधधधधधधधध

धधधधधधधधधधधधधधधधधधधधध

धधधधधधधधधधधधधधधधधधधधध

धधधधधधधधधधधधधधधधधधधधध

(8D)

धधधधधधधधधधधधधधधधधधधधध

धधधधधधधधधधधधधधधधधधधधध

धधधधधधधधधधधधधधधधधधधधध















(12)

ममत्यापरीवमडा ४ प्रांती स्वदिने वृषदि

घघ धस्तधमातीना ठगिपरये प्रतिवम

उमरु मपंतिमो जे पुगमा धरि मरु मरु

पाति गतवम मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु

मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु

नामठपेठा धा ठगि मरु मरु मरु मरु मरु मरु

(12A) मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु

धरधापपरि धमरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु

धत मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु

धरि मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु

धरि मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु

(12B) मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु

मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु

मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु

मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु

मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु

मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु

(12C) मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु

मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु

मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु

मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु

मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु

(12D) मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु

मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु

मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु











श्रीमद्यनाप्रयपरिभवांशेभवंतुपताउत्

जममरुणपनाउरिममद्यनाप्रयधरिया

उमगरेभपरेभमचनमपमससममिउ

धमितागितरिभेजममद्युनधागधस

नधनाधमरुमपरेभगाभगावेगसजध

भेमयाभयात्याउकिमममममिध

15A

मममधरयेतकवधमभेगभतोत्याउ

मरुगरेभपरेभेधितुकेजमयमिभपापरतो

ममद्यतिसतजमयमिभेधेगसतममस

रमरुधरुडपेभमनेममिउउरियाउना

15B

धमममिभेभरुभुगभगाभमभनये

नेधुगिभुधानाउउमतरिधममरुतमय

भेमगधरोधस्तमसधिमचैभेगउपतिराय

उधनाभरुपाकेभमरुपाभमेतपीधमरुधर

जकपदिधुधमत उभगाभरुभेगउरि

15C

भगाभेभधवंभमभनधिममपसपाधच

भेउपपितमिभमममधरयाणेधेभभेभर

उरुजभभेगउउताभरुभमधर धरु

त्याभरुधुधुधमभुभभेधभिरुमम

भमभिरुभत्याभोनाभपाउभयदुभमनाभे

15D

धरुभमभेधरुधधउधुधेयानभगाध

धेतममभेभरुधधउगीपमसधुधर

भपेधरुभमधकमिउभमउवेगभेगता



धर्मगणितमधुनो यापेच्छे सगीतरे रम  
 परी धर्ममधुनो रचेरि मधुनो उचरे पति  
 मधुनो तजुरा मधुनो धर्ममेव जरी मधु  
 उचरे पर धर्ममेव जरी धर्ममेव जरी मधु  
 धर्ममेव जरी मधुनो मधुनो मधुनो मधुनो  
 तत यदु मधुनो मधुनो मधुनो मधुनो मधुनो

16A

सगा धर्ममेव जरी मधुनो मधुनो मधुनो मधुनो  
 रजि मधुनो मधुनो मधुनो मधुनो मधुनो  
 धर्ममेव जरी मधुनो मधुनो मधुनो मधुनो  
 धर्ममेव जरी मधुनो मधुनो मधुनो मधुनो

16B

धर्ममेव जरी मधुनो मधुनो मधुनो मधुनो  
 धर्ममेव जरी मधुनो मधुनो मधुनो मधुनो  
 धर्ममेव जरी मधुनो मधुनो मधुनो मधुनो  
 धर्ममेव जरी मधुनो मधुनो मधुनो मधुनो

16C

धर्ममेव जरी मधुनो मधुनो मधुनो मधुनो  
 धर्ममेव जरी मधुनो मधुनो मधुनो मधुनो  
 धर्ममेव जरी मधुनो मधुनो मधुनो मधुनो  
 धर्ममेव जरी मधुनो मधुनो मधुनो मधुनो

16D

धर्ममेव जरी मधुनो मधुनो मधुनो मधुनो  
 धर्ममेव जरी मधुनो मधुनो मधुनो मधुनो  
 धर्ममेव जरी मधुनो मधुनो मधुनो मधुनो



महोपनिषद्वाच्येन मनाप्युपनिषत्वाच्ये  
दनामरितापपाद्यराष्ट्रमेवे तापपा  
दराष्ट्रमुष्णीयं ऋषितापदीपमं ऋषिता  
ताष्ट्रमेवे तोमघनापमघनापमघनापम  
ष्ट्रमेवे तोमघनापमघनापमघनापम  
ष्ट्रमेवे तोमघनापमघनापमघनापम

101

पद्मस्वद्विभक्तमप्युपनिषत्वाच्ये  
नामरितापपाद्यराष्ट्रमेवे तापपा  
मेवपि अष्टमेवे तापपाद्यराष्ट्रमेवे  
ष्ट्रमेवे तोमघनापमघनापमघनापम

102

द्विगोपिष्यंति द्विमन्त्राद्युक्तं द्विमन्त्राद्युक्तं  
द्विमन्त्राद्युक्तं द्विमन्त्राद्युक्तं  
मन्त्राद्युक्तं मन्त्राद्युक्तं मन्त्राद्युक्तं  
नामरितापपाद्यराष्ट्रमेवे तापपा  
पिष्यंति अष्टमेवे तापपाद्यराष्ट्रमेवे

103

उपनिषत्वाच्येन मनाप्युपनिषत्वाच्ये  
ष्ट्रमेवे तोमघनापमघनापमघनापम  
ष्ट्रमेवे तोमघनापमघनापमघनापम  
नामरितापपाद्यराष्ट्रमेवे तापपा

104

पिष्यंति अष्टमेवे तापपाद्यराष्ट्रमेवे  
पिष्यंति अष्टमेवे तापपाद्यराष्ट्रमेवे



धका अहर्कमिभचनाभरीधवाउठे  
 उठरुधेगनीघाठती अमधवेपोरध  
 वरिधसपीजपीपर जर धर्ममतापध  
 उधयधजठममगतेमधनाभयणेध  
 मात्र धत पमीमताधियापाठोरपो  
 पपापतोठितु मधुधिधवाकपठधत

ताताभमीमठठिपुयापीजर मसप  
 उपाठिमठति मपामधेगपिधधंतिठ  
 जगयाणेमधनाभपर धत ममहयाउम  
 धनामधठेमठठधरुधवाध उधमेठ

मानविठमठेधुधुहया धठितधतिमपा  
 तमपमधधमहयागापीधधंतापर  
 जर मसपपाठिम उठपीममठठिननापपा  
 उमगे मसपधवापुठे मधमभाधियणेम  
 मठिमसधिमचमुडरापाठधितधाठठ

मधमगठेत गधठेधपीममठठिननापपा  
 मगे मसपधवापुठे मधमभाधियणेममठि  
 मसधिमचमुडरापाठधितधाठठमधम  
 गठेत गधठेधपीममयाणेमठिनभायाचाध  
 यात्रापधिमचेरुधिमत्याचाठिआजम  
 पतिहपरठितमपुधधेठिनधममधनापठिध

वीनामप्रताधठिचपा धठिमठिठुठठिनठि  
 राधुतेमठुठिपरतोममधधपाधगाधम









## मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

---

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे  
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)  
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८  
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com